Need to set up an AIIMS in Mahoba, Uttar Pradesh- laid

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर): बुंदेलखंड में केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा राजमार्ग विकास, जलप्रबंधन, उद्योगों के विकास इत्यादि अनेक विकास के कार्य किए जा रहे हैं और बुंदेलखंड की स्थिति में सुधार आ रहा है। इन सब प्रयासों से बुंदेलखंड में पर्यटन विकास की संभावनाएं भी तेजी से बढ़ी है पर इस सभी पक्षों के विकास के उपरांत भी अभी भी स्वास्थ्य सुविधाओं विशेषकर गंभीर बीमारियों के इलाज हेतु मरीज बुंदेलखंड के आसपास के इलाकों में जाते है। इनमें भी विशेषकर कैंसर और किडनी के रोगों के लिए उपचार के लिए अन्य क्षेत्रों में जाने वाले मरीजों की संख्या सर्वाधिक है। ये इलाज खर्चीले हैं। मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर (उ०प्र०) के अधिसंख्यक जन गरीब हैं और उनको ईलाज के लिए बड़े नगरों में भटकना भी पड़ता है। यद्यपि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इलाज के खर्च के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाती है परन्तु बड़े नगरों में इलाज के खर्च के अतिरिक्त अन्य व्यवहारिक समस्याओं और खर्चों से भी मरीज और उसके तीमारदारों को जूझना पड़ता है और यदि मरीज दिहाड़ी मजदूर या छोटा व्यापारी है तो उसके लिए और भी अधिक समस्याएँ उत्पन्न हो जाती है। महिलाओं के रोग संबंधी बीमारियों में तो यह स्थिति और भी जटिल हो जाती है। अधिकतर मामलों में महिलाओं को बीमारी की अंतिम स्थिति में ही बड़े नगरों को ले जाया जाता है या नही भी ले जाया जाता है जिसके दुष्परिणाम महिलाओं के स्वास्थ्य पर पड़ते हैं।

स्थानीय क्षेत्र में ही गंभीर बीमारियों का इलाज उपलब्ध होने से न सिर्फ त्वरित इलाज संभव हो सकेगा अपितु अतिरिक्त खर्चों के साथ मरीज को अन्य समस्याओं से भी नहीं जूझना पड़ेगा और विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को लाभ मिल सकेगा। इस हेतु महोबा में एम्स के निर्माण की अत्यधिक आवश्यकता है। एम्स बन जाने से न सिर्फ असाध्य रोगों के उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। अतःमै लोक कल्याणकारी केंद्र सरकार से यह निवेदन करता हूँ कि कैंसर और अन्य असाध्य रोगों के उपचार के साथ साथ अन्य सभी रोगों के उपचार हेतु महोबा(उ०प्र०) में एम्स का शीघ्रातिशीघ्र निर्माण किया जाए।